विश्वतोमुखं—ix. 15; xi. 11. विश्वतोमुखः—x. 33.
विश्वमूर्ते—xi. 46. विश्वरूप—xi. 16.
विश्वम्—xi. 19, 38, 47. विश्वेश्वर—xi. 16.
विषयप्रवालाः—xv. 2. विषयान्—ii. 62, 64; iv. 26; xv. 9; xviii. 51. विषयाः—ii. 59.
विषयेन्द्रियसंयोगात्—xviii. 38.
विषं इव—xviii. 37, 38.
विसर्गः—viii. 3.
वीतरागभय-क्रोधः—ii. 56. -क्रोधाः—iv. 10.
वीतरागाः—viii. 11.
वृजिनं ज्ञानप्लवेन सन्तरिष्यसि—iv. 36.
वेत्ताऽसि वेद्यंच—xi. 38.
वेत्ति तत्त्वतः—iv. 9; vii. 3; x. 7.
वेदयज्ञाध्ययनैः—xi. 48. वेदवादरताः—ii. 42.
वेदवित्—xv. 1, 15. वेदविदः—viii. 11.
वेदान्तकृत्—xv. 15. वेदाः—ii. 45; xvii. 23.
वेदितव्यम्—xi. 18. वेदितुं—xviii. 1.
वेदेषु—ii. 46; viii. 28. वेदे—xv. 18.
वेदैः—xi. 53; xv. 15.
वेद्यं—ix. 17; xi. 38. वेद्यः—xv. 15.
वैराग्यं—xiii. 8; xviii. 52. वैराग्येण—vi. 35.
वैश्यकर्म—xviii. 44. वैश्याः—ix. 32.
वैश्वानरः—xv. 14.
व्यक्तमध्यानि—ii. 28.
व्यक्तयः—viii. 18. व्यक्तिं—vii. 24; x. 14.
व्यथा—xi. 49. व्यथिताः—xi. 34.
व्यपाश्रित्य—ix. 32.
व्यवसायः—x. 36; xviii. 59. व्यवसायात्मिका—ii. 41, 44.
व्यासप्रसादात्—xviii. 75. व्यासः—x. 13, 37.

श.

शतक्रतुः—(Satakratu)—*Com.* ix. 20.
शब्दब्रह्म—vi. 44.
शमं—xi. 24. शमः—vi. 3; x. 4; xviii. 42.